स्वामी चिदानन्द जन्म शताब्दी महोत्सव
राज्य स्तरीय कार्यक्रम

ओडिशा

परम पूज्य श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज की जन्म शताब्दी के पावन अवसर के उपलक्ष्य में, डिवाइन लाइफ सोसायटी, स्वामी शिवानन्द कल्याण समिति अनगुल द्वारा अगस्त २०१५ में, युवा पीढ़ी में नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा के प्रचार-प्रसार हेतु विभिन्न विद्यालयों में व्याख्यान शृंखला आयोजित की गयी। डी एल एस के वरिष्ठ सदस्यों ने विद्यार्थियों को प्रेरणाप्रद प्रवचन दिये तथा उन्हें डिवाइन लाइफ सोसायटी एवं इसकी उदात्त गतिविधियों से अवगत कराया। 'शिवानन्द इन्स्टीट्यूट ऑफ़ इन्टैग्रल योगा सैन्टर, शिवानन्द सेवाग्राम, गहम' में पंचुपदा हाई स्कूल और पवित्रनगर हाई स्कूल के विद्यार्थियों के लिए ९ अगस्त को; रघुनाथजियु हाई स्कूल में २५ अगस्त को तथा बीरु हाई स्कूल में २८ अगस्त को प्रवचन आयोजित किये गये। इनमें भाग लेने वाले विद्यार्थियों एवं अध्यापकों की संख्या क्रमश: २००, ३५० और १५० थी। समिति द्वारा सभी को उड़िया भाषा में 'आदर्श बालका' पुस्तक भी दी गयी।

चन्डीगढ़

डी एल एस चन्डीगढ़ शाखा ने १४ से २३ अगस्त २०१५ तक एक योग शिविर एवं विशेष सत्संग का आयोजन किया। योग शिविर पंचकुला में १५ से २३ अगस्त तक आयोजित किया गया था, जिसमें डी एल एस आनन्दा शाखा के बच्चों सहित कुल १५० भक्तों ने अत्यन्त उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेष सत्संग शिवानन्द आश्रम चन्डीगढ़ में १४, १६ एवं २३ अगस्त को हुए। कुछ भक्तों के आवास स्थानों पर चल सत्संग भी किये गये। श्री स्वामी देवभक्तानन्द जी (मुख्यालय आश्रम से) द्वारा योग शिविर संचालित किया गया था तथा सभी सत्संगों में भी स्वामी जी ने भाग लिया। * * *

मुख्यालय आश्रम

विद्यार्थियों के लिए 'तीन दिवसीय व्यक्तित्व विकास शिविर'

परम पूज्य श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज के पावन जन्म शताब्दी महोत्सव के तत्त्वावधान में, मुख्यालय आश्रम में १२ से १४ सितम्बर २०१५ तक एक 'तीन दिवसीय व्यक्तित्व विकास शिविर' आयोजित किया गया। इस शिविर में, ऋषिकेश के कुल १९ विभिन्न स्कूलों एवं इन्टर कॉलेजों से १०० विद्यार्थी अपने १८ शिक्षकों सहित सम्मिलित हुए। 'स्वामी शिवानन्द सत्संग भवन' में समस्त कार्यक्रम आयोजित किया गया।

१२ सितम्बर २०१५, को परम पूज्य श्री स्वामी योगस्वरूपानन्द जी महाराज ने दीप प्रज्वलन द्वारा शिविर का उद्घाटन करने के

उपरान्त विद्यार्थियों को प्रेरणाप्रद आशीर्वचन दिये। योगासन-प्राणायाम कक्षा, भजन, प्रवचन, परस्पर विचार-विनिमय सत्र तथा नि:स्वार्थ सेवा इस शिविर की मुख्य गतिविधियाँ रहीं। योगासन-प्राणायाम कक्षाओं का संचालन श्री स्वामी धर्मनिष्ठानन्द जी महाराज द्वारा किया गया। श्री स्वामी योगवेदान्तानन्द जी महाराज ने 'सफल जीवन कैसे जियें' विषय पर प्रेरणाप्रद प्रवचन दिया। श्री स्वामी अखिलानन्द जी महाराज ने सद्गुरुदेव श्री स्वामी शिवानन्द जी महाराज के महिमाशाली जीवन एवं शिक्षाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया। श्री स्वामी देवभक्तानन्द जी महाराज ने 'प्रार्थना और मानसिक शान्ति' विषय पर विद्यार्थियों को सम्बोधित किया तथा श्री स्वामी शिवाश्रितानन्द माता जी ने विद्यार्थियों को 'व्यक्तित्व विकास' के विषय में व्यावहारिक निर्देशन दिये। सुश्री नीरू अग्रवाल (गुड़गाँव) ने 'पावर पॉइंट' प्रस्तुति के आधार पर तीन सत्र—'विश्व-प्रार्थना', 'डिवाइन लाइफ सोसायटी के आदर्श-वाक्य' तथा

'श्रीमद्भगवद्गीता की उदात्त शिक्षाएँ' विषयों पर आयोजित किये।

विद्यार्थियों ने श्री स्वामी अमृतरूपानन्द माता जी, सुश्री नीरू अग्रवाल तथा अपने अध्यापकों के निरीक्षण में स्वच्छ गंगा योजना में अपनी सेवाएँ दीं। प्रो. आई. डी. जोशी, डा. सुनील थपलियाल जी, श्री रामकृष्ण पोखरियाल जी तथा डा. लक्ष्मीनारायण जोशी जी के निर्देशन में की गयीं खेलें और स्काउटिंग भी शिविर के मुख्य कार्यक्रमों में से थीं। विद्यार्थियों द्वारा किये गये प्रश्नों और शंकाओं का श्री स्वामी अखिलानन्द जी महाराज ने प्रश्नोत्तरी सत्र में समाधान किया।

समापन दिवस पर विद्यार्थियों ने भजन, कहानियाँ, पहेलियाँ एवं चुटकुलों इत्यादि की प्रस्तुति द्वारा अपने कौशल को अभिव्यक्त किया। सुश्री नीरू अग्रवाल के निर्देशन में उन्होंने सद्गुरुदेव की शिक्षाओं पर आधारित एक लघुनाटिका, समाधि मन्दिर में, परम पूज्य श्री स्वामी विमलानन्द जी महाराज तथा परम पूज्य श्री स्वामी पद्मनाभानन्द जी महाराज की पावन उपस्थिति में प्रस्तुत की।

परम पूज्य श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज के जन्म शताब्दी महोत्सव के उपलक्ष्य में विशेष रूप से तैयार करवाये गये स्कूल बैग, ज्ञान प्रसाद एवं प्रसाद सहित विद्यार्थियों में वितरित किये गये। परम पूज्य श्री स्वामी विमलानन्द जी महाराज के आशीर्वचनों तथा प्रमाण-पत्र वितरण सहित कार्यक्रम समाप्त हुआ।

उत्तरकाशी के सुदूर पर्वतीय क्षेत्रों में विद्यार्थियों को शैक्षिक-सहायता

परम पूज्य श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज की पावन स्मृति में, मुख्यालय आश्रम ने उत्तरकाशी जिले के भटवारी, गंगनानी और हरसिल के सुदूर पर्वतीय गाँवों के कुल ५९३ विद्यार्थियों को शैक्षिक सहायता दी। १२ सितम्बर २०१५ को जाला में तथा १३ को साँगलई में विशेष कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें परम पूज्य श्री स्वामी अद्वैतानन्द जी महाराज ने ब्रह्मचारी महेन्द्रन जी तथा ब्रह्मचारी रवीन्द्रनाथ जी जेना के साथ जा कर विद्यार्थियों को शैक्षिक-थैले दिये, जिनमें स्कूल की वर्दी, जूते का जोड़ा, बस्ता, कापियाँ, पैन, पैन्सिलें और ज्यामित-डिब्बा था तथा इसके साथ विद्यार्थियों को, प्रत्येक को अलग से वार्षिक शुल्क भी दिया गया। सुदूर क्षेत्रों के कुल ३१ गाँवों में से भिन्न-भिन्न २९ विद्यालयों से इन विद्यार्थियों का चयन किया गया था। गाँवों में सर्वेक्षण करने, विद्यालयों के प्रिंसिपलों के साथ समन्वयन करने तथा अन्य सम्बन्धित क्षेत्रीय कार्य करने में ब्रह्मचारी रामचैतन्य (काशिका) ने पूर्ण सहायता की।

विशेष सत्संग

२२ सितम्बर २०१५ को एक विशेष सत्संग आयोजित किया गया जिसमें वृन्दावन के 'हित राधावल्लभ सम्प्रदाय' के पूज्य श्री हित हरिवंश महाप्रभु जी के शिष्य, पूज्य श्री हित अम्बरीश जी ने उपस्थित श्रोताओं को नारदभक्तिसूत्र में वर्णित मार्ग के विषय में बताया।

सर्वशक्तिमान् परमात्मा, सद्गुरुदेव श्री स्वामी शिवानन्द जी महाराज एवं परम पूज्य श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज की अपार कृपा-वृष्टि सब पर हो!

* * *